वैज्ञानिक सलाहकार समिति की 16 वीं बैठक
(14 जुलाई 2021)

कृषि विज्ञान केन्द्र, भलेसर, महासमुन्द

कार्यसूची

स्थान :– कृषि विज्ञान केन्द्र, पांहदा, दुर्ग (छ.ग.)

★ विगत वर्ष (2020) में किए गये कार्यो का प्रस्तुतिकरण एवं चर्चा

★ आगामी कार्ययोजना (2021) का प्रस्तुतिकरण एवं चर्चा

इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय

कृषि विज्ञान केन्द्र, भलेसर, महासमुन्द (छ.ग.)

–: अनुक्रमणिका :–

(अ) विगत वर्ष (2020) में किए गये कार्यो का प्रस्तुतिकरण

1. महासमुन्द जिले की आधारभूत जानकारी
2. कृषि विज्ञान केंद्र–संक्षिप्त परिचय
3. कृषि विज्ञान केंद्र का संगठनात्मक ढॉचा
4. कृषि विज्ञान केंद्र महासमुन्द की प्रमुख उपलब्धियॉ
5. प्रशिक्षण कार्यक्रम
6. अग्रिम पंक्ति प्रदर्शन
7. कृषकों के खेतों पर प्रक्षेत्र परीक्षण/ अनुसंधान (ऑन फार्म टेस्टिंग)
8. प्रसार गतिविधियां
9. अन्य गतिविधियॉ
10. पिछली बैठक में दिए गए सुझावों पर अमल

(ब) आगामी कार्ययोजना (2021) का प्रस्तुतीकरण

1. कृषकों के खेतों पर प्रक्षेत्र परीक्षण (ऑन फार्म टेस्टिंग)
2. कृषकों के खेतों पर अग्रिम पंक्ति प्रदर्शन
3. कृषक प्रशिक्षण
4. अधिकारियों एवं कर्मचारियों को प्रशिक्षण
5. कृषकों के खेत में समूह प्रदर्शन (दलहन)
6. कृषकों के खेत में समूह प्रदर्शन (तिलहन)

महासमुन्द जिले की आधारभूत जानकारी

छत्तीसगढ़ के पूर्व दिशा में महासमुन्द जिला राजधानी रायपुर से 55 किमी. दूर स्थित है। महासमुन्द जिले का कुल भौगोलिक क्षेत्रफल 496.30 हजार हेक्टेयर है। जिसमें से 268.12 हजार हेक्टेयर फसल क्षेत्र है। कुल रकबे में से सिंचित क्षेत्र खरीफ में 39 प्रतिशत एवं रबी में 14 प्रतिशत है । जिले की फसल सघनता 120% है। जिले को महासमुन्द, बागबाहरा, पिथौरा, बसना एवं सरायपाली पॉच विकासखण्डों में बाटा गया है। महासमुन्द जिले की अन्य आधारभूत जानकारी निम्नानुसार है :–

क्र.	विवरण	इकाई	जिले
1	भौगोलिक क्षेत्र	हजार हेक्टेयर	496.30
2.	वन का क्षेत्र	हजार हेक्टेयर	110.20
3.	निरा फसल का क्षेत्र	हजार हेक्टेयर	268.12
4.	द्वि फसली क्षेत्र	हजार हेक्टेयर	50.81
5.	सम्पूर्ण कास्त का क्षेत्र	हजार हेक्टेयर	318.93
6.	खरीफ का क्षेत्र	हजार हेक्टेयर	268.35
7.	रबी का क्षेत्र	हजार हेक्टेयर	52.78
8.	फसल सघनता	प्रतिशत	120
9.	कृषि के लिए अनुपलब्ध भूमि	हजार हेक्टेयर	43.55
10.	कृषि योग्य पड़ती भूमि	हजार हेक्टेयर	4.21
11.	चरागाह के अन्तर्गत भूमि	हजार हेक्टेयर	13.41
12.	पड़ती भूमि		
	(अ) चालू पड़ती (1वर्ष पुराना)	हजार हेक्टेयर	1.72
	(ब) पुरानी पड़ती (2 से 5 वर्ष)	हजार हेक्टेयर	4.25
13.	सामान्य वर्षा	मि.मी.	1212.00
14.	**समस्त साधनों से सिंचित क्षेत्र :–**		
	1. खरीफ का सिंचित क्षेत्रफल	हजार हेक्टेयर	105.07
	2. रबी का सिंचित क्षेत्रफल	हजार हेक्टेयर	46.68
	3. खरीफ का सिंचित	प्रतिशत	39.%
	4. रबी का सिंचित	प्रतिशत	16%
15	**कृषक परिवार (जाति के आधार पर)**		
	1. अनुसूचित जाति	संख्या	30976
	2. अनुसूचित जनजाति	संख्या	42603
	3. अन्य जाति	संख्या	130680
	योग :–		**204259**
16	**कृषक परिवार (वर्ग के आधार पर) :–**		
	1. सीमान्त	संख्या	115120
	2. लघु	संख्या	54727
	3. दीर्घ	संख्या	34412
	योग :–	**संख्या**	**204259**
17.	**ग्रामों की संख्या :–**		
	1. राजस्व ग्राम	संख्या	1097

	2. वीरान ग्राम + वनग्राम	संख्या	50
	कुल ग्राम :–	**संख्या**	**1147**
18.	**जनसंख्या 2011 के अनुसार**		
	1. पुरूष	संख्या	511475
	2. महिला	संख्या	520800
	योग :–	**संख्या**	**1032275**
20.	विद्युतीकृत ग्राम	संख्य	1147

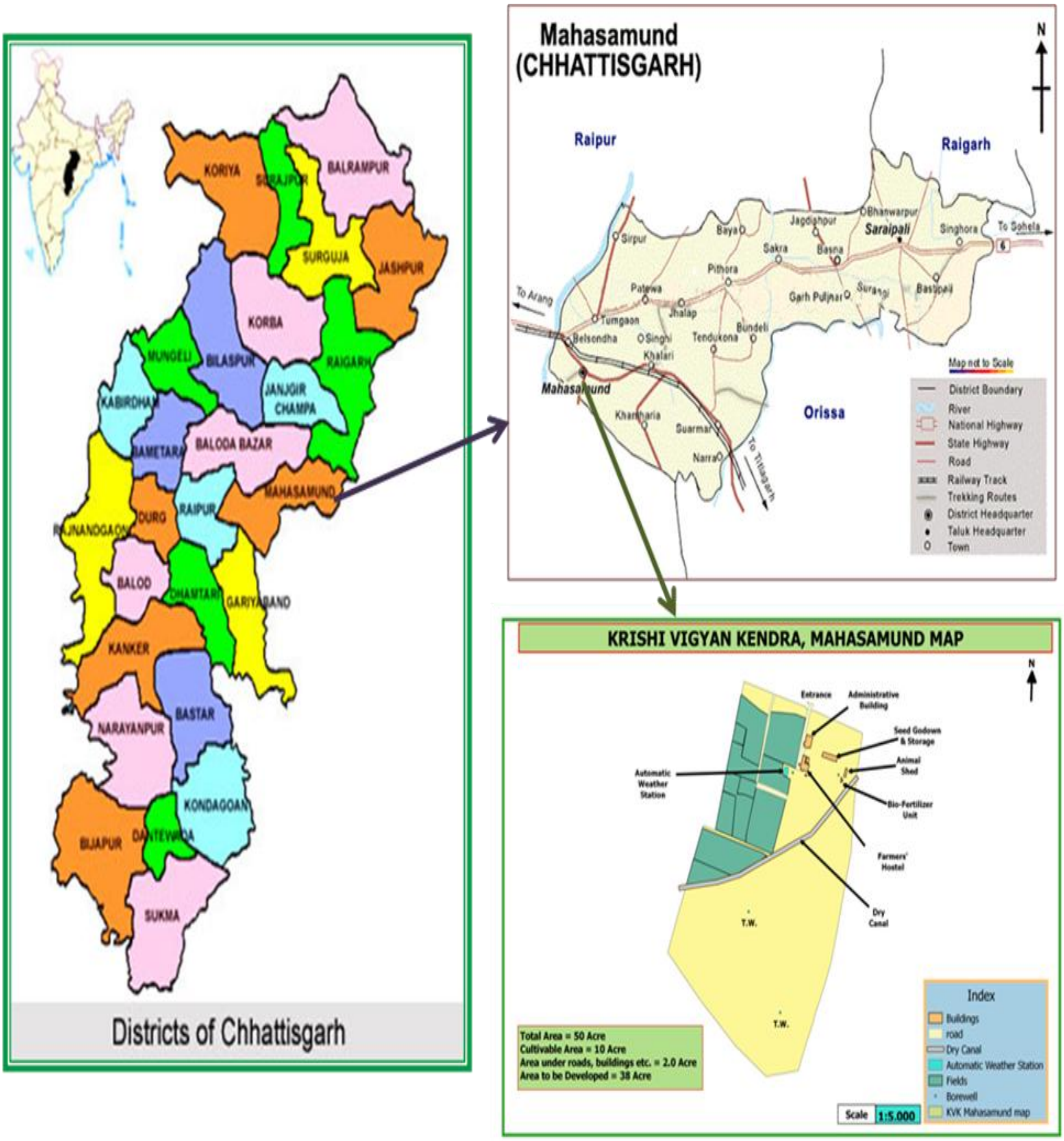

जिला की प्रमुख फसलों की जानकारी
फसलवार क्षेत्राच्छादन, उत्पादन एवं उत्पादकता मौसम खरीफ

इकाई–क्षेत्राच्छादन 000 हे. में
उत्पादन– 000 में.टन में
उत्पादकता– कि.ग्रा./ हेक्टेयर

क्र.	फसल का नाम	वर्ष 2020–21		
		क्षेत्राच्छादन	उत्पादन	उत्पादकता
1	धान (चावल)	245.30	832.55	3394
2	उड़द	8.01	4.16	520
	मूंगफली	2.61	2.42	927
3	मूंग	1.06	0.47	449

फसलवार क्षेत्राच्छादन, उत्पादन एवं उत्पादकता मौसम रबी

इकाई–क्षेत्राच्छादन 000 हे. में
उत्पादन– 000 में.टन में
उत्पादकता– कि.ग्रा./ हेक्टेयर

क्र.	फसल का नाम	वर्ष 2020–21		
		क्षेत्राच्छादन	उत्पादन	उत्पादकता
1.	ग्रीष्मकालीन धान	34.16	141.19	4133
2.	गेहूँ	3.08	5.03	1634
3	मूंग	1.61	1.05	656
4.	सरसों	1.05	0.71	676
5.	उड़द	1.01	0.72	710

स्त्रोत : कृषि एवं जैव प्रौद्योगिकी विभाग, जिला महासमुन्द

जिला में उद्यानिकी फसल की स्थिति

क्र	फसल	क्षेत्रफल	उत्पादन	उत्पादकता
1.	फल	11570	172534	14.91
2.	सब्जियां	18263	301514	16.50
3.	मसाला	2797	28959	10.35
4.	फूल	1452	12821	8.82
	कुल	**34082**	**515828**	

जिला की मुख्य फल वाली फसलें

क.	क्षेत्रफल के अधार पर		उत्पादन के आधार पर उत्पादन	
	फसल	रकबा (हे.)	फसल	उत्पादन (मि. टन)
1	आम	1519	पपीता	26352
2	अमरुद	1234	कटहल	23783
3	सीताफल	1115	केला	23621
4	पपीता	1098	आम	22026
5	नीबू	1062	अमरुद	16659

जिला की मुख्य सब्जी वाली फसलें

क.	क्षेत्रफल के अधार पर		उत्पादन के आधार पर उत्पादन	
	फसल	रकबा (हे.)	फसल	उत्पादन (मि. टन)
1	टमाटर	1985	टमाटर	58558
2	बैंगन	1523	बैंगन	29699
3	लौकी	1236	प्याज	21952
4	करेला	1165	भिण्डी	15755
5	कद्दू	1147	करेला	15728

जिला की मुख्य मसाला वाली फसलें

क.	क्षेत्रफल के अधार पर		उत्पादन के आधार पर उत्पादन	
	फसल	रकबा (हे.)	फसल	उत्पादन (मि. टन)
1	हल्दी	465	मिर्च	8631
2	मिर्च	411	लहसून	3696
3	धनिया	318	धनिया	2862
4	लहसून	308	हल्दी	2558
5	मेथी	24	मेथी	408

जिला की मुख्य फूल वाली फसलें

क.	क्षेत्रफल के अधार पर		उत्पादन के आधार पर उत्पादन	
	फसल	रकबा (हे.)	फसल	उत्पादन (मि. टन)
1	गेंदा	600	गेंदा	8400
2	गुलाब	281	गुलाब	1405
3	ग्लोडियोलस	86	ग्लोडियोलस	602
4	रजनीगंधा	77	रजनीगंधा	578

स्त्रोत :संचनालय, उद्यानिकी एवं प्रक्षेत्र वानिकी ,(2019–20) नया रायपुर ,छ.ग

कृषि विज्ञान केन्द्र – संक्षिप्त परिचय :–

कृषि विज्ञान केंद्र, जिला स्तरीय एक ऐसी संस्था है जो अनुसंधानकर्ता वैज्ञानिको तथा किसानों को जोड़ने में प्रभावशाली कड़ी की भूमिका अदा करती हैं। यह कृषि प्रौद्योगिकी के हस्तान्तरण का ऐसा स्वरूप है जिसमें अनुसंधान एवं विस्तार का संयुक्त प्रबंधन है, सहभागिता आधारित कार्यशैली है एवं सरकारी एवं गैर सरकारी संगठनों की सक्रिय भागीदारी है।

कृषि विज्ञान केंद्र, महासमुन्द की स्थापना के लिए विश्वविद्यालय द्वारा अधिसूचना 09 सितम्बर 2004 को जारी हुई एवं फरवरी 2005 से किराये के भवन में तथा वर्तमान में यह कार्यालय ग्राम–भलेसर, स्थित महासमुन्द में नवनिर्मित भवन में वर्ष 2013 से संचालित है। स्थापना के पश्चात् से यह केंद्र फसल उत्पादन, फसल संरक्षण, मृदा विज्ञान, उद्यानिकी, पशु पालन, प्रसार, मछली उत्पादन एवं गृह विज्ञान जैसे विषयों पर किसानों के खेतों पर वैज्ञानिक परीक्षणों एवं अनुसंधानों का आयोजन एवं विकसित तकनीकों का आंकलन, नवीन विकसित दलहनी, तिलहनी एवं खाद्यान्य फसलों की उत्पादन तकनीकों के वैज्ञानिक तरीके से खेती का कृषकों के खेतों पर प्रथम पंक्ति प्रदर्शन डालना, कृषकों, कृषक महिलाओं एवं ग्रामीण युवकों के लिए व्यवसायिक प्रशिक्षणों का आयोजन एवं कृषि एवं संबंधित विभागों के प्रसार एवं विकास कार्यकर्ताओं को कृषि की नवीनतम तकनीकों पर प्रशिक्षणें का आयोजन करता आ रहा है। इसके अतिरिक्त कृषि तकनीक की अन्य प्रसार, विधियों, जैसे कृषक संगोष्ठी, किसान मेला, कृषक/खेत दिवस का भी आयोजन कर रहा है।

कृषि विज्ञान केंद्र के प्रमुख कार्य :–

कृषि विज्ञान केंद्र हेतु भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद नई दिल्ली द्वारा संबंधित जिलों में कृषि विकास हेतु निर्धारित प्रमुख कार्य निम्नानुसार है :–

(1) फसल उत्पादन, फसल संरक्षण, उद्यानिकी, पशु पालन, मछली उत्पादन, कृषि अभियांत्रिकी, कृषि मौसम विज्ञान जैसे विषयों पर किसानों के खेतों पर वैज्ञानिक परीक्षणों एवं अनुसंधानों का आयोजन एवं विकसित तकनीकों का आंकलन ।

(2) नवीन विकसित दलहनी, तिलहनी एवं खाद्यान्न फसलों की उत्पादन तकनीकों के वैज्ञानिक तरीके से खेती का कृषकों के खेतों पर प्रदर्शन डालना ।

(3) कृषकों, कृषक महिलाओं एवं ग्रामीण युवकों के लिए व्यवसायिक प्रशिक्षणों का आयोजन।

(4) कृषि एवं संबंधित विभागों के प्रसार एवं विकास कार्यकर्ताओं के लिए कृषि की नवीनतम तकनीकों पर प्रशिक्षणों का आयोजन ।

कृषि विज्ञान केंद्र का संगठनात्मक ढ़ॉचा :–

कृषि विज्ञान केंद्र में कार्यक्रम समन्वयक का 1 पद, विषय वस्तु विशेषज्ञो के 7 पद (विभिन्न विषय), कार्यक्रम सहायक के 3 पद एवं कार्यालय सहायक, स्टेनोग्राफर, प्रक्षेत्र परिचारक, वाहन चालक, मैसेन्जर एवं चौकीदार आदि के 6 पद स्वीकृत है।

वर्तमान में केंद्र में पदस्थ अधिकारी/कर्मचारी निम्नानुसार है :–

क्र.	पदनाम	नाम	विषय/ कार्य
1	वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख	डॉ.एस.के.वर्मा	उद्यानिकी विज्ञान
2	विषय वस्तु विशेषज्ञ	श्री एच. एस. तोमर	सस्य विज्ञान
3	विषय वस्तु विशेषज्ञ	डॉ. साकेत दुबे	उद्यानिकी विज्ञान
4	विषय वस्तु विशेषज्ञ	डॉ. अरविंद कुमार नंदनवार **(पी.एच.डी. अध्ययनरत)**	पशुपालन
5	विषय वस्तु विशेषज्ञ	श्री कुणाल चन्द्राकर	मृदा विज्ञान
6	विषय वस्तु विशेषज्ञ	श्री रवीश केशरी	मृदा एवं जल अभियांत्रिकी
7	विषय वस्तु विशेषज्ञ	श्रीमति रजनी धर्मेन्द्र आगाशे	कृषि प्रसार
8	विषय वस्तु विशेषज्ञ	श्री दीपांशु मुखर्जी	कृषि मौसम विज्ञान
9	कार्यक्रम सहायक	श्री एस.एम.अली हुमांयू	कीट विज्ञान
10	प्रक्षेत्र प्रबंधक	श्री कमलकांत लोधी	सस्य विज्ञान
11	कम्प्यूटर सहायक	श्रीमती पुनीता कार्तिकेयन (**पी.एच.डी. अध्ययनरत**)	कम्प्युटर
12	**सहायक वर्ग 01**	श्री बाबूलाल देवांगन	लेखा
13	**सहायक वर्ग 02**	श्री नरोत्तम साहू	स्थापना
14	ड्रायवर एवं मैकेनिक	श्री भानु प्रताप ध्रुव	वाहन चालक
15	ड्रायवर एवं मैकेनिक	श्री राजेश मारकण्डेय	ट्रेक्टर चालक
16	मैसेन्जर (संदेश वाहक)	श्री ख्याल दास वैष्णव	संदेश वाहक
17	**चौंकीदार**	**रिक्त**	–

कृषि विज्ञान केंद्र महासमुन्द की प्रमुख उपलब्धियाँ

1. प्रशिक्षण कार्यक्रम :

कृषि विज्ञान केंद्र महासमुन्द द्वारा जिले की प्रमुख फसलों की उत्पादकता बढ़ाने के उद्देश्य से उन्नत उत्पादन तकनीक, समन्वित पोषक तत्व, जिले की प्रमुख अनाज, दलहनी एवं तिलहनी फसलों के कीट एवं रोगों के नियंत्रण, सब्जियों में कीट एवं रोगों के नियंत्रण, मशरूम उत्पादक तकनीक, कृषि मशीनरी, ड्रिप सिंचाई प्रणाली, स्प्रिंकलर सिंचाई प्रणाली, पशु चलित उन्नत यंत्र, सब्जियों एवं फलों का प्रसंस्करण आदि विषयों पर कृषक एवं महिला कृषक प्रशिक्षण आयोजित किया गया, जिनसे करीब 1745 कृषक, कृषि महिलाऍं एवं अन्य कृषि संबंधित अधिकारी लाभांवित हुए। प्रशिक्षणों का विवरण निम्नानुसार है :–

क्रमांक	विषय	प्रशिक्षणों की संख्या	प्रशिक्षणार्थियों की संख्या
1.	कृषक एवं महिला कृषक प्रशिक्षण	67	1724
2.	कृषि एवं अन्य संबंधित अधिकारियों का प्रशिक्षण	2	21
	योग	**69**	**1745**

2. अग्रिम पंक्ति प्रदर्शन :–

वर्ष 2020 में कृषि विज्ञान केंद्र महासमुन्द द्वारा खाद्यान, दलहन, तिलहन, उद्यानिकी फसलों, पोषण वाटिका, मशरूम उत्पादन पर कृषकों के खेतों पर प्रदर्शन डाले गये। धान, दलहनी फसलों में, उड़द, चना, उद्यानिकी फसलों में बरबटी कृषि मशीनरी तथा पोषण वाटिका पर कुल 27.71 हेक्टेयर पर अग्रिम पंक्ति प्रदर्शन किये गये। उक्त प्रदर्शन से 146 कृषक लाभांवित हुए जिनका विवरण निम्नानुसार है :–

क्रमांक	फसल / तकनीकी	मौसम	रकबा (हे.)	कृषकों की संख्या	औसम उपज क्वि. / हे.
1	उड़द में समन्वित पोषक तत्व प्रबंधन का प्रदर्शन	खरीफ	2.4	12	6.67
2	चने में समन्वित पोषक तत्व प्रबंधन का प्रदर्शन	रबी	4.8	12	11.21
3	उड़द में समन्वित नींदा प्रबंधन का प्रदर्शन	खरीफ	5	12	8.28
4	गेहूँ की क्रिस–क्रास बुवाई तकनीकी का प्रदर्शन	रबी	5	12	24.54
5	शीड कम फर्टिलाइजर ड्रिल द्वारा चने की कतार बुवाई का प्रदर्शन	रबी	5	6	11.56
6	उन्नत बियासी हल का प्रदर्शन		5	10	39.42
7	पोषण वाटिका पर प्रदर्शन	वर्ष भर	.08	4	225 कि ग्रा / $200M^2$
8	पैड्री स्ट्रा मशरूम का प्रदर्शन	—	—	5	
9	कम लागत वाली संरक्षित संरचना में टमाटर की खेती का प्रदर्शन	रबी	0.037	5	450
10	उन्नत किस्म की शिमलामिर्च का प्रदर्शन	रबी	0.4	5	152
11	बरबट्टी की उन्नत किस्म का प्रदर्शन	रबी	0.4	5	168
	योग		**27.71**	**146**	

3. कृषकों के खेतों पर प्रक्षेत्र परीक्षण : (ऑन फार्म ट्रायल)

वर्ष 2020 में केन्द्र द्वारा कृषकों के खेतों पर विभिन्न विषयों एवं फसलों पर तकनीकी आंकलन किया गया, जिससे 52 कृषक लाभान्वित हुए। जिसका विवरण इस प्रकार है

क्र.	फसल	मौसम	विषय	रकबा (हे.)	कृषकों की संख्या	औसम उपज क्वि./हे.
1.	सरसों	रबी	पारंपरिक उतेरा तकनीकी के साथ सरसों की किस्म छत्तीसगढ़ सरसों की कतार बोनी का आंकलन	5.67	5	3.49
2.	धान	खरीफ	धान की नई किस्म आर.आर.एफ.–105 का ट्राइकोडर्मा एवं उन्नत खुर्रा बोनी तकनीक का आंकलन	2.4	5	39.89
3.	धान	खरीफ	धान में मृदा स्वास्थ्य कार्ड आधारित फसल प्रतिक्रिया का आंकलन	1	5	50.61
4.	धान	खरीफ	धान में नत्रजन उपयोग दक्षता को बढ़ाने के लिये यूरिया टेबलेट उपयोग का आंकलन	0.8	2	48.07
5.	गेहूँ	रबी	गेंहूँ में मृदा स्वास्थ्य कार्ड आधारित पोषक तत्व प्रबंधन का आंकलन	2.4	5	26.12
6.	गेंदा	रबी	कटिंग द्वारा गेंदा का प्रसार का आंकलन	0.4	5	185
7.	पपीता	खरीफ	पपीते की उननत किस्म (हनी गोल्ड) का आकलन	0.4	5	780
8.	धान	खरीफ	पैडी ट्रान्सप्लांटर द्वारा कतार में धान की रोपाई का आकलन	2.4	5	61.83
9.	धान	रबी/खरीफ	बेलर मशीन द्वारा धान फसल अवशेष का प्रबंधन	2.4	5	–
10	मशरूम	खरीफ	मशरूम के प्रसंस्कृत उत्पाद (बड़ी, बिजौरी) की आंकलन	––	10	–
			योग	**14.6**	**52**	

4. प्रसार गतिविधियॉं :–

प्रसार गतिविधियों के विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया गया । जिसका विवरण निम्नानुसार है

क्र.	प्रसार गतिविधियां	संख्या	लाभान्वित कृषक/प्रसार अधिकारी
01.	प्रक्षेत्र दिवस	5	159
02.	किसान गोष्ठी	5	148
03.	फिल्म	4	80
04.	व्याख्यान	42	Mass
05.	समाचार पत्र कवरेज	20	Mass
06.	रेडियोवार्ता	9	Mass
07.	प्रसार साहित्य	4	Mass
08.	कृषि सलाहकार सेवाएं	52	89693
09.	किसानों के प्रक्षेत्र में भ्रमण	30	229
10.	किसानों का कृषि विज्ञान केंद्र आगमन	458	458
11.	निदान यात्रा	32	139
12.	भ्रमण	5	62
13.	पूर्व प्रशिक्षुओं का सम्मेलन	1	18
14.	मृदा स्वास्थ्य शिविर	2	48
15.	स्वयं सहायता समूह संयोजक बैठक	2	30

अन्य गतिविधियां (2020–21)

समूह फसल प्रबंधन

कृषि विज्ञान केन्द्र, महासमुन्द द्वारा वर्ष 2020–21 खरीफ, रबी एवं जायद में दलहन एवं तिलहन में फसल का कृषकों के प्रक्षेत्र में कुल 150 हे. में समूह फसल प्रदर्शन किया गया है जिसका विवरण निम्नानुसार है :–

क्र	मौसम	फसल	किस्म	क्षेत्र (हे.)	प्रदर्शन की संख्या	उपज प्रदर्शन (क्वि/हे)	जिले में उपज (क्वि/हे)	राज्य में उपज (क्वि/हे)
1.	खरीफ	उड़द	प्रताप –1	10	25	8.82	6.4	3.71
3.	रबी	चना	RVG- 202	20	50	12.50	8.0	10.50
4.	रबी	सरसों	CG SARSO	30	75	8.69	6	4.5
5.	रबी	अलसी	इंदिरा अलसी–33+ दीपिका	20	50	3.43	5	3
6.	जायद	उड़द	TU-40	10	25	9.8	8.0	3.10
7.	जायद	तिल	TKG-38	40	100	7.86	3.2	4.0
8.	जायद	मूंगफली	धारणी	20	50	14.12	17.70	11.0
		कुल		150	375			

कृषि विज्ञान केन्द्र में स्वतन्त्रता दिवस का आयोजन

कृषि विज्ञान केन्द्र, भलेसर, महासमुन्द में 15 अगस्त स्वतंत्रता दिवस का आयोजन किया गया। सर्वप्रथम भारत माता की पूजा की गयी तत्पश्चात कृषि विज्ञान केन्द्र, के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख डॉ. एस के वर्मा के द्वारा ध्वाजारोहण किया गया। इस शुभ अवसर पर वैज्ञानिक श्री एच.एस.तोमर, श्री साकेत दुबे, श्री कुणाल चन्द्राकर, श्री रवीश केसरी, श्री दिपांशु मुखर्जी, डॉ. रिवेन्द्र कुमार साहू, प्रक्षेत्र प्रबंधक श्री कमलकांत लोधी एवं भलेसर ग्राम पंचायत के पंचगण, ग्राम के गणमान्य नागरिक, कृषक, ग्राम की महिलायें एवं कृषि विज्ञान केन्द्र के कर्मचारीगण उपस्थित थे। कार्यक्रम के अगले चरण में डॉ. एस के वर्मा ने अपने उद्बोधन में स्वतंत्रता दिवस के महत्व के बारे में बताया। इस अवसर में केन्द्र में उपस्थित सभी लोगों ने आपस में स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामना दी। इसके पश्चात् कृषि विज्ञान के प्रक्षेत्र में इफको द्वारा प्रयोजित वृक्षारोपण कार्यक्रम में नीम के 130 पौधों का रोपण किया गया इसके साथ ही उपस्थित नागरिकों से देश के विकास में सहयोग करने का आह्वान किया।

मशरुम उत्पादन व नर्सरी वर्कर विषय पर कौशल विकास प्रशिक्षण का आयोजन

कृषि विज्ञानं केंद्र भलेसर में दिनांक 14 फरवरी से 16 मार्च तक मशरुम उत्पादन व नर्सरी वर्कर विषय पर कौशल विकास प्रशिक्षण हुआ जिसमे आदर्श ग्राम बहमनी ,जलकी भलेसर, लभरा खुर्द जिसे विभिन्न

ग्रामो के 20–20 प्रशिक्षणार्थीओ ने भाग लेकर नर्सरी उत्पादन व मशरुम उत्पादन की बारीकियों को प्रशिक्षण में सीखा।

STRY योजना के तहत फलो व् सब्जियों के मूल्य सवर्धन व् पैकेजिंग विषय पर ६ दिवसीय प्रशिक्षण संपन्न

कृषि विज्ञानं केंद्र महासमुंद भलेसर में STRY योजना के तहत दिनांक 28 फरवरी से 4 मार्च तक फलो व् सब्जियों के मूल्य सवर्धन व् पैकेजिंग विषय पर 6 दिवसीय प्रशिक्षण का आयोजन हुआ जिसमे प्रशिक्षणार्थीओ को फलो का जैम शरबत अचार मशरुम बडी साबूदाना पापड़ जैसी चीजे स्वयं करके सीखो विधि द्वारा बताई गई।

STRY अंतर्गत मशरूम उत्पादन व वर्मीकम्पोस्ट उत्पादन पर छः दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन

कृषि विज्ञान केन्द्र महासमुन्द द्वारा दिनांक 03.03.2021 से 09.03.2021 दो विभिन्न विषयों पर मशरूम उत्पादन व वर्मीकम्पोस्ट उत्पादन पर छः दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का आयोजन गौठान – कोना, विकासखण्ड – महासमुन्द में किया गया।

इस प्रशिक्षण कार्यक्रमों में प्रशिक्षणार्थियों को प्रशिक्षण संबंधी तथा प्रायोगिक दोनो प्रकार की जानकारी दी गई। कार्यक्रम के समापन समारोह में प्रशिक्षणार्थियों को प्रशस्ति पत्र भी वितरित किये गये समापन समारोह में मुख्य अतिथि श्री सरिता राकेश चन्द्राकर, जनपद पंचायत सदस्य, महासुन्द तथा राकेश चन्द्राकर भारतीय जनता पार्टी मण्डल, उपाध्यक्ष, महासमुन्द उपस्थित रहे।

मृदा परीक्षण प्रयोगशाला :–

विगत वर्षो की उपलब्धियां : –

वर्ष	मृदा परीक्षण लक्ष्य	कुल विश्लेषित नमुना	कुल लाभान्वित कृषक	कुल मृदा स्वास्थ्य कार्ड बनाए गए
2015–16	700	1100	1100	1100
2016–17	1500	2209	12022	12022
2017–18	1500	1709	7459	7459
2018–19	1000	871	4411	4411
2019–20	550	590	590	590
2020–21	150	154	154	154
टोटल	**5400**	**6633**	**25736**	**25736**

विश्व मृदा दिवस पर कृषक परिचर्चा का आयोजन

कृषि विज्ञान केन्द्र, भलेसर में 05 दिसम्बर 2020 को कृषि विज्ञान केन्द्र तथा जीओ लाईफ एग्रीटेक इंडिया लिमिटेड, मुम्बई, के संयुक्त तत्वाधान में विश्व मृदा दिवस के अवसर पर किसान सम्मेलन का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में डॉ. एस. सी. मुखर्जी, निदेशक विस्तार, इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय, रायपुर, कार्यक्रम के अध्यक्ष डॉ. अमित त्रिपाठी, मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जीओं लाईफ एग्रीटेक इंडिया लिमिटेड, मुम्बई, विशिष्ठ अतिथि, डॉ. अरूण त्रिपाठी, वैज्ञानिक, निदेशक विस्तार सेवाएं, इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय, रायपुर, श्री एस. आर. डोंगरें, उपसंचालक कृषि, जिला महासमुन्द उपस्थित थे।

कार्यक्रम के प्रथम सत्र में माननीय केन्द्रीय एवं कृषक कल्याण मंत्री, नई दिल्ली द्वारा भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद निदेशक सेमिनार का उद्बोधन वेबकास्ट के माध्यम से कृषकों को प्राप्त हुआ। तत्पश्चात कार्यक्रम के तकनीकी सत्र में कृषि विज्ञान केन्द्र के द्वारा मृदा स्वास्थ्य कार्ड का उपयोग करते हुए संतुलित उर्वरक प्रबंधन एवं मृदा स्वास्थ्य में वृद्धि, रबी फसलों में मृदा स्वास्थ्य प्रबंधन, शीतकालीन उद्यानिकी फसलों की खेती, रबी फसलों में सिंचाई प्रबंधन, कृषि आय को दोगुनी करने हेतु उन्नत कृषि तकनीक, मौसम पूर्वनुमान एवं इसका कृषि पर प्रभाव विषयों पर कृषकों व्याख्यायन दिया गया एवं कृषि संबधित समस्याओं पर कृषकों से चर्चा की गई।

स्वच्छता पखवाड़ा का आयोजन

कृषि विज्ञान केन्द्र, महासमुन्द भलेसर द्वारा विभिन्न ग्रामों में स्वच्छता पखवाड़ा कार्यक्रम दिनांक 16 दिसम्बर से 31 दिसम्बर 2020 को आयोजन किया गया। स्वच्छता पखवाडा स्वच्छ भारत मिशन अंतर्गत ग्रामीण पेयजल और स्वच्छता विभाग, भारत सरकार द्वारा प्रारंभ किया गया था। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्‌देश्य स्वच्छता के प्रति जागरूक लाना है। स्वच्छता पखवाडा कार्यक्रम अंतर्गत स्वच्छता हेतु शपथ ग्रहण, परिसर में स्वच्छता, जैविक एवं अजैविक पदार्थो की अपघटन तकनीकी, अपशिष्टि पदार्थो का प्रबंधन, किचन व घरों से निकलने वाले अपशिष्ट पदार्थों का प्रबंधन तथा उनके द्वारा कम्पोस्ट तैयार करना, पॉलीथीन मुक्त ग्राम, हरित तकनीकी तथा अपशिष्ट पदार्थो से धन अर्जित करना इत्यादि विषयों पर जागरूकता, भ्रमण व सफाई कार्यक्रम आयोजित किया गया। तथा यह कार्यक्रम शेर,अछोला, कोना, खट्‌टीडीह, लाफिन खुर्द, साराडीह इत्यादि ग्रामों में आयोजित किया गया।

कलेक्टर एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी द्वारा कृषि विज्ञान केन्द्र के प्रक्षेत्र का भ्रमण

कृषि विज्ञान केन्द्र, महासमुन्द के प्रक्षेत्र में दिनांक 09.02.2021 को श्री डोमान सिंह, कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी, जिला महासमुन्द तथा डॉ रवि मित्तल, मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जिला पंचायत द्वारा केन्द्र के प्रक्षेत्र में स्थित बटेर पालन, कड़कनाथ मुर्गी पालन, मशरूम उत्पादन वर्मी कम्पोस्ट तथा बतख सह मछली पालन तथा फल उद्यान का अवलोकन किया गया तथा उनके द्वारा कृषि विज्ञान केन्द्र के प्रक्षेत्र की सराहना की गई तथा आवश्यक सुझाव भी दिये गये।

दिनांक 16.02.2021 को श्री ए.बी.आसना प्रबंध संचालक, छ.ग. बीज प्रमाणीकरण संस्था, श्री बी.वी. आर. मूर्ति उपबीज प्रमाणीकरण अधिकारी महामुन्द के द्वारा कृषि विज्ञान केन्द्र प्रक्षेत्र का भ्रमण किया गया केन्द्र में स्थापित विभिन्न इकाईयों जैसे बतख सह मछली पालन, बटेर व कड़कनाथ मुर्गीपालन मशरूम उत्पादन, वर्मीकम्पोस्ट ईकाई व फल उद्यान का अवलोकन किया गया। तथा श्री आसना द्वारा कृषि विज्ञान केन्द्र के कार्य की सराहना की गई।

राष्ट्रीय विज्ञान दिवस का आयोजन

कृषि विज्ञान केन्द्र, द्वारा राष्ट्रीय विज्ञान दिवस का आयोजन शासकीय पूर्व माध्यमिक विद्यालय, भलेसर में किया गया। राष्ट्रीय विज्ञान दिवस विज्ञान से होने वाले लाभों के प्रति समाज में जागरूकता लाने तथा विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय के तत्वाधान से प्रति वर्ष 28 फरवरी को भारत में मनाया जाता है। स्कूल के छात्र–छात्राओं को विज्ञान की महत्व तथा विज्ञान की गतिविधियों को बढ़ावा देने के उद्देश्य से इस कार्यक्रम का आयेजन केन्द्र द्वारा किया गया। कार्यक्रम में उपस्थित डॉ. साकेत दुबे, विषय वस्तु विशेषज्ञ (उद्यानिकी) द्वारा विज्ञान का हमारे दैनिक जीवन में महत्व व उपयोगिता के बारे में चर्चा की गई। श्रीमती रजनी आगाशे, विषय वस्तु विशेषज्ञ (कृषि प्रसार), द्वारा रमन प्रभाव तथा विज्ञान की अन्य उपलब्धियों के बारे में छात्राओं को बताया गया। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्री राजेन्द्र कुमार इंगोले, प्रधान पाठक, शास. पूर्व माध्य. विद्यालय, भलेसर द्वारा कृषि द्वारा कृषि में विज्ञान की उपयोगिता की चर्चा की गई।

पोषण बाड़ी विकास कार्यक्रम योजना

कृषि विज्ञान केन्द्र द्वारा जिले के 10 ग्रामों में लाभार्थी 200 कृषक पोषण बाड़ी विकास कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम अंतर्गत मौसमीय सब्जियों जैसे टमाटर मिर्च, भिण्डी, पालक, धनिया, लौकी, बरबट्टी, गोभी इत्यादि फसलों के उन्नत बीज तथा फलदार पौध जैसे करौंदा, नींबू, पपीता, अनार तथा मूनगा इत्यादि का वितरण किया गया। ग्रामीण क्षेत्रों में कुपोषण की समस्या दूर करने के उद्देश्य से इस कार्यक्रम का आयोजन किया । इस कार्यक्रम द्वारा 200 कृषक लभान्वित किये गये।

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस का आयोजन

कृषि विज्ञान केन्द्र, महासमुन्द द्वारा 8 मार्च 2021 को अंर्तराष्ट्रीय महिला दिवस का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम अंतर्गत महिला सशक्तिकरण तथा महिलाओं के अधिकारों के बनाए गए कानून के प्रति जागरूकता तथा विश्व की महानता उपलब्धी प्राप्त महिलाओं की विवेचना कर महिलाओं को जागरूक तथा सचेत करने का प्रयास किया गया। इस कार्यक्रम की मुख्य अतिथि श्रीमति सरिता राकेश चन्द्राकर, जनपद पंचायत सदस्य, महासमुन्द तथा श्री राकेश चन्द्राकर भारतीय जनता पार्टी मण्डल उपाध्यक्ष, महासमुन्द उपस्थित रहे।

हर्बल गुलाल निर्माण तकनीकी पर प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन

कृषि विज्ञान केन्द्र महासमुन्द द्वारा तुमगांव, मालीडीह ग्रामीण आजिविका व्यापार केन्द्र में कृषि विज्ञान केन्द्र द्वारा स्वैच्छिक संगठन निदान के सह आयोजन से हर्बल गुलाल बनाने पर एक दिवसीय प्रशिक्षण काग्रक्रम का आयोजन दिनांक 12.03.2021 को किया गया। इस कार्यक्रम का आयोजन होली के अवसर में स्थानिय बाजारों में रासायन मुक्त शुद्ध गुलाल उत्पाद उपलब्ध कराने तथा स्व सहायकता समूहों के लिये रोजगार सृजन करने हेतु किया गया।

15 वी. वैज्ञानिक सलाहकार समिति में दिए गए प्रमुख सुझाव एवं की गयी कार्यावाही

<table>
<tr><th>क्र.</th><th>दिये गये सुझाव</th><th>कार्यवाही</th></tr>
<tr><td>1</td><td>गत वर्ष सब्जियों की मुक्त परागण तैयार कर किस्मों की बीज उत्पादन की प्रगति प्रतिवेदन क्या रहा।</td><td>कृषि विज्ञान केन्द्र द्वारा अपने प्रक्षेत्र पर सब्जियों का बीज उत्पादन कार्यक्रम लिया जिसका विवरण निम्नलिखित है –
<table>
<tr><th>फसल</th><th>किस्म</th><th>मत्रा</th></tr>
<tr><td>बैगन</td><td>इंदिरा सफेद</td><td>09 कि.ग्राम</td></tr>
<tr><td>मैथी</td><td>आर.एम.टी–305</td><td>25 कि.ग्राम</td></tr>
<tr><td>मटर</td><td>अर्कल</td><td>25 कि.ग्राम</td></tr>
<tr><td>लौकी</td><td>लोकल</td><td>02 कि.ग्राम</td></tr>
</table></td></tr>
<tr><td>2</td><td>फसल आधारित प्रक्षेत्र परीक्षण/अग्रिम पंक्ति प्रदर्शन के रिपोर्ट में कीट एवं रोगों की जानकारी भी सम्मिलित करें।</td><td>कृषि विज्ञान केन्द्र द्वारा सभी प्रदर्शनों के अंतर्गत खरीफ एवं रबी 2020–21 में नियमित रूप से कीड़े एवं बीमारियों का आंकलन किया गया एवं उसी गणनानुसार ई.टी.एल. के आधार जरूररत पड़ने पर रासायनिक दवाईयाँ डाली गई। धान फसल में प्रमुख कीट के रूप में तनाक्षेदक एवं भूरामाहों का प्रकोप देखा गया, प्रमुख रोग में ब्लास्ट एवं शीथ ब्लाइट का प्रकोप देखा गया जिसके लिये किसानों को नियंत्रण हेतु रोकथाम के उपाय बताये गये, साथ ही अन्य सभी फसलों जैसे – चना, अलसी, सरासों, उड़द, तिल, मूंगफली आदि सभी में भी ऑकलन किया गया।</td></tr>
<tr><td>3</td><td>अनुसूचित जाति एवं जनजाति बाहुल्य गावों में पोषण वाटिका का प्रचार प्रसार करें।</td><td>कृषि विज्ञान केन्द्र, द्वारा अनुसूचित जाति एवं जनजाति बाहुल्य गांवों में पोषण वाटिका का प्रचार प्रसार करने के साथ ही सब्जियों की उन्नत किस्मों के बीज, पौध एवं फलदार पौधों का वितरण कर पोषण वाटिका स्थापित करवाने में मदद की गई केन्द्र द्वारा कुल 200 कृषकगणों के घर पोषण बाड़ी स्थापित करवाई गई बम्हनी, खट्टी, परसदा, शेर, कोना में पोषण बाड़ी का विकास करवाया गया।</td></tr>
<tr><td>4</td><td>कृषि विज्ञान केन्द्र के प्रक्षेत्र में ककोड़ा की फसल का प्रदर्शन करे।</td><td>कृषि विज्ञान केन्द्र द्वारा कृषि महाविद्यालय एवं अनुसंधान केन्द्र अंबिकापुर को इंदिरा ककोड़ा–1 का मांग पत्र प्रेषित किया जा चुका है एवं पौध प्राप्त होते ही कृषि विज्ञान केन्द्र द्वारा कृषकों के प्रक्षेत्र में प्रदर्शन के साथ ही अपेन प्रक्षेत्र में भी इसका प्रदर्शन किया जायेगा।</td></tr>
<tr><td>5</td><td>पारंपरिक तकनीकी ज्ञान को प्रक्षेत्र परीक्षण में सम्मिलित करें।</td><td>कृषि विज्ञान केन्द्र, महासमुन्द में प्राकृतिक खेती एवं जैविक खेती पर इस वर्ष मक्का एवं लोबिया की फसल पर एक एकड़ में परीक्षण किया जा रहा है। जिसमें घनजीवामृत, जीवामृत, बीजामृत, गोबर की खाद एवं केंचुआ खाद का प्रयोग कर प्राकृतिक खेती की जा रही है।</td></tr>
<tr><td>6</td><td>यूरिया ब्रिकेट के परीक्षण मूल्यांकन का विगत वर्षो का प्रतिवेदन तैयार करें।</td><td>कृषि विज्ञान केन्द्र द्वारा विगत दो वर्षो से यूरिया ब्रिकेट पर धान फसल में प्रक्षेत्र परीक्षण का</td></tr>
</table>

		आयोजन किया जा रहा है। जिसमें यूरिया प्रिल के स्थान पर इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय, रायपुर मृदा विज्ञान विभाग द्वारा विकसीत किये गये यूरिया ब्रिकेट का उपयोग कृषक प्रक्षेत्र में ब्रिकेट एप्लीकेटर उपकरण द्वारा किया गया है। विगत दो वर्षो से किये जा रहे इस परीक्षण में यूरिया ब्रिकेट का रोपा पद्धती वाले धान में रोपाई के 7–10 दिन पश्चात् उपयोग किया गया एवं नियंत्रित प्लाट की तुलना में ब्रिकेट उपचारित प्लाट में 10.18 क्वि. प्रति हे. उपज अधिक प्राप्त हुई। ब्रिकेट एप्लीकेटर उपकरण में हैण्डल के लीवर को 2–3 बार दबाने पर ही ब्रिकेट बाहर आता है। अतः लीवर में सुधार की आवश्यकता है जिसे मृदा विज्ञान विभाग के ध्यानाकर्षण में लाया गया।
7	कृषि विज्ञान केन्द्र के प्रक्षेत्र में केंचुआ में उत्पादन किया जाए।	कृषि विज्ञान केन्द्र के प्रक्षेत्र में वर्ष 2015–16 में मनरेगा के अंतर्गत परियोजना लेकर 18 केंचुआ खाद की टंकियां स्थापित की गई है एवं निरंतर उच्च गुणवत्ता की खाद उत्पादन करने का प्रयास किया जा रहा है। गत वर्ष भी 18 केंचुआ खाद उत्पादन की टंकियों द्वारा 36.45 टन केंचुआ खाद का उत्पादन किया गया एवं 19.06 टन वर्मीकम्पोस्ट की बिक्री कर 1.28 लाख रूपये अर्जित किया गया एवं बची हुई खाद को कृषि विज्ञान केन्द्र के प्रक्षेत्र पर उपयोग किया गया। वर्ष 2020–21 में कृषि विज्ञान केन्द्र को 10 केंचुआ खाद उत्पादन टांका एवं 40 अजोला उत्पादन टांका बनाकर खाद एवं अजोला उत्पादन हेतु मनरेगा से परियोजना प्राप्त हुई है।
8	जिले के गोठानों में तैयार केंचुआ खाद में उपचारित तत्वों का केन्द्र की प्रयोशला में परीक्षण किया जाए।	छत्तीसगढ़ शासन द्वारा रायपुर संभाग के 5 जिले – महासमुन्द, गरियाबंद, धमतरी, बलौदाबाजार, एवं रायपुर जिले में स्थित गौठानों में तैयार केंचुआ खाद में उपलब्ध पोषक तत्वों के परीक्षण हेतु मृदा परीक्षण प्रयोगशाला, लभांडी रायपुर को निर्देशित कर वहां सभी तकनीकी स्टाफ एवं उपकरण की व्यवस्था की गई कृषि विज्ञान केन्द्र द्वारा जिले में स्थित गौठानों में उत्पादित केंचुआ खाद के परीक्षण हेतु गौठानों को मार्गदर्शन देकर केंचुआ खाद के परीक्षण हेतु प्रोत्साहित किया गया।

9	प्रवासी मजदूरों के रोजगार हेतु कार्ययोजना तैयार करें।	कोरोना काल में विगत वर्ष 2020–21 में कृषि विज्ञान केन्द्र द्वारा महासमुन्द ब्लॉक के करीब सात गांवों के 224 प्रवासी मजदूरों को प्रदर्शन एवं प्रशिक्षण दिया गया विगत वर्ष कुल 79,307 प्रवासी मजदूरी जिले में वापस आए। (स्त्रोत : कलेक्टर, महासमुन्द) इस वर्ष भी केन्द्र द्वारा प्रवासी मजदूरो हेतु मछलीपालन, मधुमक्खीपालन, मशरूम उत्पादन, बटेर पालन, कड़कनाथ पालन एवं बकरी पालन विषयों पर कार्यक्रम तैयार किया गया है जिला प्रशासन महासमुन्द द्वारा आदेश प्राप्त होने पर उपरोक्त विषयों पर प्रशिक्षण कार्यक्रम को आयोजित करेगे ।
10	जिले में पुष्प उत्पादन को बढ़ाने हेतु कार्य करें।	कृषि विज्ञान केन्द्र महासमुन्द द्वारा पुष्प उत्पादन बढ़ाने हेतु वैज्ञानिक सलाहकार समिति को अनुशंसा उपरांत इसे प्रमुखता से किया जा रहा है। कृषि विज्ञान केन्द्र द्वारा अपने प्रक्षेत्र पर इसकी फूलों की प्रदर्शन इकाई स्थापित कि गई है। जिससे गेंदे को वृद्ध स्तर पर प्रदर्शित किया गया है। इसके अलावा केन्द्र द्वारा रजनीगंधा गलडोयलस की भी प्रदर्शन ईकाई स्थापित की गई थी एवं प्रदर्शन भी दिये गये थे। इसके अतिरिक्त केन्द्र द्वारा उद्यानिकी विभाग महासमुन्द के साथ मिलकर पुष्पों की उत्पादन तकनीकि एवं लाभ विषयों पर प्रशिक्षण आयोजित कर फूलों की खेती के लिये प्रेरित किया गया।

वार्षिक कार्य योजना 2021

कृषि विज्ञान केन्द्र महासमुन्द द्वारा कृषक, महिला कृषक, ग्राम स्तर प्रसार कार्यकर्ता एवं ग्रामीण युवाओं से चर्चा करके उनकी कृषि संबंधी समस्याओं, उपलब्ध संसाधनों को पहचान कर कृषकों के सुझावों को सम्मिलित कर एवं वैज्ञानिक आधार पर इन समस्याओं के हल हेतु वर्ष 2021 की कार्य योजना बनाई गई है। इस कार्य योजना में कृषि संबंधी समस्याओं के हल हेतु कृषि विज्ञान केन्द्र के चार प्रमुख उद्देश्य को अपनाया गया है।

(1) प्रक्षेत्र परीक्षण

कृषि विज्ञान केन्द्र द्वारा वर्ष 2021 में कृषि एवं कृषि से संबंधित फसलों/तकनीकी पर कृषकों के खेतों में प्रक्षेत्र परीक्षण करना प्रस्तावित है, विवरण निम्नानुसार है :–

क्र.	फसल	शीर्षक	प्रयोग की जाने वाली तकनीक	कृषक संख्या	रकबा (हे.)
1.	धान	धान की नई किस्म आर.आर.एफ.–105 का ट्राइकोडर्मा एवं उन्नत खुर्रा बोनी तकनीक का आंकलन	आर.आर.एफ–105	05	1.0

2.	गेहूँ	देरी से बुवाई की अवस्था में गेहूँ की अधिक उपज देने वाली किस्म का आंकलन (किस्म–रतन)	उन्नत किस्म	05	2.0
3.	धान	धान में मृदा परीक्षण आधारित फसल प्रतिक्रिया पोषक तत्व प्रबंधन का आंकलन	मृदा परीक्षण	05	2.0
4.	गेहूं	गेंहू में मृदा परीक्षण आधारित समन्वित पोषक तत्व प्रबंधन का आंकलन	मृदा परीक्षण	05	2.0
5.	धान	पैडी ट्रॅासप्लांटर द्वारा कतार में धान की रोपाई का आंकलन	पैडी ट्रॅासप्लांटर	05	2.0
6.	चना	चना फसल हेतु शून्य जुताई का आंकलन	शून्य जुताई	05	2.0
7.	धान	ट्रैक्टर चलित बेलर द्वारा पराली प्रबंधन का आंकलन	बेलर मशीन	05	2.0
8	लौकी	लौकी में इथेरॉल के प्रयोग द्वारा पुंकेसरमय फूल की वृद्धि का आंकलन	इथेरॉल का प्रयोग	05	1.0
9.	उड़द	महासमुन्द जिले में दलहन (उड़द) समूह फसल प्रदर्शन का तकनीकि प्रसार, उत्पादन एवं आय में प्रभाव का अध्ययन	उन्नत किस्में कतार बोनी	25	10
10	सरसों	महासमुन्द जिले में तिलहन (सरसों) समूह फसल प्रदर्शन का तकनीकि प्रसार, उत्पादन एवं आय में प्रभाप का अध्ययन	उन्नत किस्में कतार बोनी	50	20
11.	गेंदा	कटिंग द्वारा गेंदा के प्रवर्धन का आंकलन	कटिंग तकनीकी	0.4	05

2) कृषकों के खेतो पर अग्रिम पंक्ति प्रदर्शन :–

कृषि विज्ञान केन्द्र द्वारा वर्ष 2021 में कृषि एवं कृषि से संबंधित फसलों पर कृषकों के खेतों में लगभग 31.2 हेक्टेयर में अग्रिम पंक्ति प्रदर्शन लेना प्रस्तावित है। अग्रिम पंक्ति प्रदर्शन का विवरण निम्नानुसार है :–

क्रमांक	फसल / तकनीकी	मौसम	रकबा(हे.)	कृषको की संख्या
01.	उड़द में समन्वित नींदा प्रबंधन का प्रदर्शन	खरीफ	5	12
02.	उड़द में समन्वित पोषक तत्व प्रबंधन का प्रदर्शन	खरीफ	4.8	12
03.	अदरक की उन्नत किस्म का प्रदर्शन	खरीफ	0.4	05
04.	गेंहू फसल की क्रिस–क्रॉस बुवाई विधि का प्रदर्शन	रबी	5	12
05	चना में समन्वित पोषक तत्व प्रबंधन का आंकलन	रबी	4.8	12
06.	बरबट्टी का उन्नत किस्म का प्रदर्शन	रबी	0.4	05
07.	टमाटर की उन्नत किस्म का प्रदर्शन	रबी	0.4	05
08.	पशु चलित उन्नत बियासी हल का प्रदर्शन	खरीफ	5	5
09.	शीड कम फर्टिलाइजर ड्रिल द्वारा कतार में धान बुवाई का प्रदर्शन	रबी	5	10
10.	200 वर्ग मीटर क्षेत्र के लिये पोषण बाड़ी का प्रदर्शन	वर्ष भर	200 वर्ग मी	6
11	पैडी स्ट्रा मशरूम का प्रदर्शन	वर्ष भर	100 बेड	4
12	फूलगोभी में मॉलिब्डनम के उपयोग का प्रदर्शन	रबी	0.4	5

3) कृषक प्रशिक्षण :–

कृषि विज्ञान केन्द्र महासमुन्द द्वारा वर्ष 2021 में कृषि व संबंधित विषयों पर कृषक व महिला कृषकों को लगभग 80 प्रशिक्षण देना प्रस्तावित है, यह प्रशिक्षण विभिन्न विषयों जैसे महासमुन्द के प्रमुख फसलों का उत्पादन तकनीक पोषक तत्व प्रबंधन, जैविक खेती, फलोद्यान प्रबंधन एवं देखभाल, बीजोपचार, विभिन्न फसलों में समन्वित कीट प्रबंधन, मिट्टी परीक्षण, अतिरिक्त आय अर्जन, मशरूम उत्पादन तकनीक, खरपतवार नियंत्रण, पोषक बाड़ी संवर्धन, उन्नत यंत्रों के प्रयोग पर प्रस्तावित हैं। जिसका विवरण निम्नानुसार है:–

क्रमांक	विषय	प्रशिक्षण की संख्या	कृषकों की संख्या
1.	सस्य विज्ञान	12	300
2.	उद्यानिकी	12	300
3.	मृदा विज्ञान	12	300
4.	कृषि अभियंत्रिकी	12	300
5.	गृह विज्ञान	12	300
6.	कृषि मौसम विज्ञान	12	300
	योग –	**72**	**1800**

(4) अधिकारियों एवं कर्मचारियों को प्रशिक्षण :–

कृषि विज्ञान केन्द्र, महासमुन्द द्वारा वर्ष 2021 में लगभग 50 कृषि प्रसार कार्यकर्ताओं एवं अधिकारियों को प्रशिक्षित करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है । इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में प्रसार कार्यकर्ताओं व अधिकारियों को प्रशिक्षण के साथ–साथ विश्वविद्यालय में हो रहे नवीन अनुसंधान एवं प्राप्त परिणामों के बारे में जानकारी दी जाएगी।

(5) कृषकों के खेतों पर समूह में प्रदर्शन (दलहन)

क्र.	फसल	मौसम	रकबा (हे.)	कृषकों की संख्या
1	उड़द	खरीफ	10	25
2	चना	रबी	10	50
3	तिवड़ा	रबी	10	25
4	उड़द	जायद	10	25
5	मूंग	जायद	10	25
कुल			**50**	**150**

(6) कृषकों के खेतों पर समूह में प्रदर्शन (तिलहन)

क्र.	फसल	मौसम	रकबा (हे.)	कृषकों की संख्या
1.	तिल	खरीफ	20	50
2.	मूंगफली	खरीफ	20	50
3.	सरसों	रबी	10	25
4.	अलसी	रबी	10	25
5.	तिल	जायद	20	50
6.	मूंगफली	जायद	20	50
कुल			**100**	**250**

कृषि विज्ञान केन्द्र महासमुन्द के लिए गठित वैज्ञानिक परामर्श समिति के मनोनीत सदस्यों की सूची

क्रमांक	विभाग	मनोनीत पद
1	माननीय कुलपति, इं.गां.कृ.वि.वि., रायपुर	अध्यक्ष
2	निदेशक विस्तार सेवायें, इं.गां.कृ.वि.वि., रायपुर	सदस्य
3	निदेशक अटारी, जोन–9, जबलपुर	––,,––
4	अधिष्ठाता कृषि महाविद्यालय एवं अनुसंधान केन्द्र, महासमुन्द	––,,––
5	उप संचालक कृषि, कृषि विभाग, महासमुन्द	––,,––
6	उप संचालक पशु चिकित्सा एवं पशुपालन विभाग, महासमुन्द	––,,––
7	सहायक संचालक उद्यान, उद्यानिकी विभाग, महासमुन्द	––,,––
8	सहायक कृषि अभियंता, महासमुन्द	––,,––
9	सहायक भूमि संरक्षण अधिकारी, महासमुन्द	––,,––
10	वन मण्डलाधिकारी, महासमुन्द	––,,––
11	सहायक संचालक मत्स्यकी विभाग, महासमुन्द	––,,––
12	कार्यपालन अभियंता, सिंचाई विभाग, महासमुन्द	––,,––
13	महाप्रबंधक, जिला उद्योग केन्द्र, महासमुन्द	––,,––
14	प्रबंधक जिला लिड बैंक(देना बैंक), महासमुन्द	––,,––
15	सहायक महाप्रबंधक, जिला जन सम्पर्क कार्यालय, महासमुन्द	––,,––
16	सहायक महाप्रबंधक, नाबार्ड महासमुन्द	––,,––
17	प्रबंधक/ प्रक्षेत्र प्रबंधक इफको, महासमुन्द	––,,––
18	वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख, कृषि विज्ञान केन्द्र, महासमुन्द	––,,––
19	परियोजना अधिकारी, महिला एवं बाल विकास, महासमुन्द	––,,––
20	श्री मोहन चन्द्राकर कृषक, केशवा, महासमुन्द	––,,––
21	श्री तुशार चन्द्राकर, कृषक, मोहन्दी, बागबाहरा, महासमुन्द	––,,––
22	श्री मिलन विश्वकर्मा, कृषक, कुर्रूभाठा, बागबाहरा, महासमुन्द	––,,––
23	श्री राजेन्द्र साहू, कृषक, पटियापाली, बसना, महासमुन्द	––,,––
24	श्री टेमन चन्द्राकर, कृषक, परसवानी, महासमुन्द	––,,––
25	श्री नेकी साहू, कृषक बरोण्डा बाजार, महासमुन्द	––,,––
26	श्रीमति पूर्णिमा शर्मा, कृषक, लोहारडीह, महासमुन्द	––,,––
27	श्रीमति रूखमनो चन्द्राकर, कृषक, कौन्दकेरा, महासमुन्द	––,,––
28	श्रीमति टेमिन सिन्हा, सरपंच, भलेसर, महासमुन्द	––,,––